Bachelor of Arts

Semester – I

Paper Code –

SANSKRIT – I
संस्कृत – I

पाठ्यक्रम

संस्कृत – I बी.ए. (प्रथम सेमेस्टर)

Paper Code :

Maximum Marks : 80

समय : 3 घण्टे

घटक – I संस्कृत वाग्व्यवहारः अंक 16

संस्कृत व्यवहार साहस्री (प्रकाशक संस्कृत भारती, माता मन्दिर गली, झण्डेवालान, नई दिल्ली) पुस्तक में से 1 से 8 विषयों तक संस्कृत में सरल प्रश्नोत्तर रूप में लिखित परीक्षा (शिष्टाचार, मेलनम्, सरलवाक्यानि, सामान्यवाक्यानि, मित्रमिलनम्, यात्रा, प्रवासतः प्रतिनिवर्तनम्, छात्राः)

घटक – II संस्कृत ग्रन्थानुशीनम् अंक 48

(क) हितोपदेशः (मित्रलाभः)

(ख) दूतवाक्यम् (भासविरचितम्)

(ग) शुकनासोपदेशः (कादम्बरीतः)

घटक – III अनुवाद अंक 16

हिन्दी से संस्कृत में सरल अनुवाद

दिशा–निर्देश

घटक – I		चौदह में से किन्हीं आठ प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर	$8 \times 2 = 16$
घटक – II	(क)	आठ में से चार संदर्भों की व्याख्या	$4 \times 4 = 16$
	(ख)	आठ में से चार संदर्भों की व्याख्या	$4 \times 4 = 16$
	(ग)	आठ में से चार गद्यांशों की व्याख्या	$4 \times 4 = 16$
घटक – III		चौदह में आठ वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद	$8 \times 2 = 16$

विषय सूची

क्रम संख्या		पृष्ठ संख्या
इकाई – 1 :	**संस्कृत वाग्व्यवहारः**	1—31
1.1	परिचय	
1.2	इकाई के उद्देश्य	
1.3	संस्कृत वाग्व्यवहारः	
1.4	अपनी प्रगति जांचिए	
1.5	सारांश	
1.6	मुख्य शब्दावली	
1.7	अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर	
1.8	अभ्यास हेतु प्रश्न	
1.9	आप ये भी पढ़ सकते हैं	
इकाई – 2 :	**संस्कृत ग्रन्थानुशीलनम्**	32—123
2.1	परिचय	
	2.1.1 हितोपदेशः (मित्रलाभः)	
	2.1.2 दूतवाक्यम् (भासविरचितम्)	
	2.1.3 शुकनासोपदेशः (कादम्बरीतः)	
2.2	इकाई के उद्देश्य	
2.3	संस्कृत ग्रन्थानुशीलनम्	
	2.3.1 हितोपदेशः (मित्रलाभः)	
	2.3.2 दूतव्याक्यम् (भासविरचितम्)	
	2.3.3 शुकनासोपदेशः (कादम्बरीतः)	
2.4	अपनी प्रगति जांचिए	
2.5	सारांश	
2.6	मुख्य शब्दावली	
2.7	अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर	
2.8	अभ्यास हेतु प्रश्न	
2.9	आप ये भी पढ़ सकते हैं	
इकाई – 3 :	**अनुवाद**	124—144
3.1	परिचय	
3.2	इकाई के उद्देश्य	
3.3	अनुवाद प्रकरणम्	
3.4	अपनी प्रगति जांचिए	
3.5	सारांश	
3.6	मुख्य शब्दावली	
3.7	अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर	
3.8	अभ्यास हेतु प्रश्न	
3.9	आप ये भी पढ़ सकते हैं	

इकाई – 1

संस्कृत वाग्व्यवहारः

इकाई की रूपरेखा

1.1 परिचय

1.2 इकाई के उद्देश्य

1.3 संस्कृत वाग्व्यवहारः

1.4 अपनी प्रगति जांचिए

1.5 सारांश

1.6 मुख्य शब्दावली

1.7 अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर

1.8 अभ्यास हेतु प्रश्न

1.9 आप ये भी पढ़ सकते हैं

1.1 परिचय

इस पाठ्यक्रम में छात्रों में दैनन्दिक जीवन में काम आने वाले कुछ संस्कृत वाक्यों का सग्रह है। उसे बोलकर छात्र आपस में या कहीं समाज में संस्कृत भाषा का व्यवहार कर सकें यह लक्ष्य रखा गया है। इसे ठीक से अभ्यास करके संस्कृत भाषा भी नित्य व्यवहार में आ सकती है, यह प्रदर्शन कर सकते हैं। ज्यादा शब्दावली, व्याकरण के नियम, धातु, शब्दादि के स्मरण पर ध्यान देकर वाक्–व्यवहार सामर्थ्य बढ़ाया जाना सम्भव है।

1.2 इकाई के उद्देश्य

- छात्र आपस में संस्कृत भाषा का व्यवहार कर सकेंगे;
- छात्र समाज में संस्कृत सम्भाषण कर सकेंगे,
- दैनन्दिक जीवन में काम आने वाले संस्कृत वाक्यों का प्रयोग कर सकेंगे;
- शिष्टाचारः, मेलनम् तथा मित्र मिलनम् आदि विषयों पर संस्कृत सम्भाषण कर सकेंगे;
- यात्रा, प्रवासतः एवं प्रतिनिर्वतनम् आदि विषयों पर संस्कृत में सरल प्रश्नोत्तर कर सकेंगे।

1.3 संस्कृत वाग्व्यवहारः

1 शिष्टाचारः (अच्छा व्यवहार)

हरिः ओम्।	हाँ जी ! (हलो)
चिन्ता मास्तु।	जाने दीजिए / कोई बात नहीं।
सुप्रभातम्।	सुप्रभात।
कृपाया।	कृपा करके

नमस्ते / नमस्कारः।	नमस्कार !
पुनः मिलाव।	फिर मिलते हैं।
शुभरात्रिः।	आपकी रात्रि शुभ (सुखकर) हो।
अस्तु।	ऐसा ही हो / मान लिया / उचित है।
धन्यवादः।	धन्यवाद।
स्वागतम्।	(आपके आगमन से बहुत प्रसन्नता हुई है) स्वागत।
श्रीमान्।	श्रीमान्/ साहब।
मान्ये / आर्ये।	श्रीमती जी/ आदरणीया।
क्षम्यताम्।	माफ कीजिए / क्षमा कीजिए।
बहु समीचीनम्।	बहुत ठीक / अच्छा है।

पाठ आधारित प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 1 **हरिः ऊँ इति दूरभाषेन कः वदति ?**

उत्तर विनीतः गुरुग्राम (गुडगाँव) तः।

प्रश्न 2 **सुप्रभातम्–इति कथं सः वदति ?**

उत्तर प्रातः कालिकं अभिवादनं इदम्।

प्रश्न 3 **शिष्यः / छात्रः / बालो वा किं वदति गुरुम् ?**

उत्तर अभिवादनम्।

प्रश्न 4 **रमेश ! त्वं निजं गृहं कदा गमिष्यामि ?**

उत्तर रात्रिः जाता, अधुना गच्छामि, शुभरात्रिः स्यात्।

प्रश्न 5 **धन्यवादः कदा दीयते / कर्तव्यः ?**

उत्तर उपकारिणे धन्यवादः कर्तव्यः।

प्रश्न 6 **स्वागतं कदा/कस्य भवति/ कस्य कृते / वक्तव्यम् ?**

उत्तर यदा परिचितः / गुरुजनः / प्रियजनः समीपं गृहं वा प्राप्नोति।

प्रश्न 7 **क्षम्यताम् ! इति कः / कदा वदति ?**

उत्तर यदा त्रुटिः अनुभूता तदा, जनः वदति।

प्रश्न 8 **जननी शिशुं / बालं त्रुटिः जाते किं कथयति ?**

उत्तर बाल ! चिन्ता मास्तु–इति भणति।

प्रश्न 9 **कृपया शृणोतु–इति कदा वक्तव्याम् ?**

उत्तर यदा कोऽपि समुचितं ध्यानं न ददाति।

प्रश्न 10 **पुनः मिलामः इति कदा जनः वदति ?**

उत्तर यदा मिलित्वा अग्रे गन्तव्यं भवति।

प्रश्न 11 **अस्तु–इति प्रयोगः कदा शोभनः स्यात् ?**

उत्तर यदा अन्यस्य मतं / विचारः स्वीकरणीयः / पालनीयः स्यात्।

प्रश्न 12 **श्रीमन् ! इति पदस्य (शब्दस्य) प्रयोगः कदा कर्तव्यः ?**

उत्तर यदा कोऽपि मिलति तदा आदरार्थं सम्बोधने वक्तव्यम्।

प्रश्न 13 **महिलानां सम्बोधनार्थं किं कथितव्यम् ?**

उत्तर आर्ये / मान्ये ! इति वक्तव्यम्।

प्रश्न 14 **बहु समीचीनं इति पदं कदा प्रयोक्तव्यम् ?**

उत्तर यदा अन्यस्य मतं शोभनं उचितं वा स्यात्।

2 मेलनम् (मिलना, भेंट करना)

1 **भवतः नाम किम् ?**	आपका नाम क्या (है) ?	पु०
2 **भवत्याः नाम किम् ?**	आपका नाम क्या (है) ?	स्त्री०
3 **मम नाम '............'।**	मेरा नाम '..................'।	
4 **एषः मम मित्रं '.................'।**	यह मेरा दोस्त '..................' है।	
5 **एतस्य नाम श्रुतवान्।**	इनका नाम (पहले) सुना है।	
6 **एषा मम सखी।**	यह मेरी सहेली है।	
7 **भवान् किं (उद्योगं) करोति ?**	आप क्या (काम) करते हैं ?	पु०
8 **भवती किं (उद्योगं) करोति ?**	आप क्या (काम) करती हैं ?	स्त्री०
9 **अहं अध्यापकः अस्मि।**	मैं शिक्षक हूँ।	पु०
10 **अहं अध्यापिका अस्मि।**	मैं शिक्षिका हूँ।	स्त्री०

लेखाकारः	अकाउण्टेण्ट	**चिकित्सिकः**	डॉक्टर
निरीक्षकः	इन्सपेक्टर	**भवन–निर्माता**	बिल्डर
आरक्षिसेवायाम्	पुलिस सर्विस में	**सैनिकः**	सेना–सेवा में
गृहिणी एव	घर में ही काम करने वाली	**नर्तकः**	नृत्य करने वाला
		व्यवस्थापकः	मैनेजर / प्रबन्धक
आपणिकः	दुकानदार		

11 **अहं यन्त्रागारे कार्यं करोमि।** मैं कारखाना में कार्यरत हूँ।

वित्तकोषे	बैंक में	**शोध–संस्थाने**	अनुसन्धान केन्द्र में
मन्त्रालये	मन्त्रालय में	**दूरभाष केन्द्रे**	टेलिफोन एक्सचेंज
सचिवालये	सचिवालय में	**न्यायालये**	अदालत में
महाविद्यालये	कालेज में	**कोषागारे**	ट्रेजरी में

12	**भवान् / भवती कस्यां कक्षायां पठति ?**	आप किस कक्षा में पढ़ते/पढ़ती हैं?
13	**अहं नवमकक्षायां पठामि।**	मैं नवीं कक्षा में पढ़ता/ पढ़ती हूँ।
14	**अहं बी.एससी. कक्षायां पठामि।**	मैं बी.एससी. में पढ़ रहा/रही हूँ।
15	**भवतः ग्रामः कः ?**	आप किसी गाँव/स्थान के हैं ?
16	**मम ग्रामः ....।**	मेरा गाँव/शहर .... है।
17	**अपि कुशली भवान्।**	आप कुशल तो हैं ?
18	**गृहे सर्वं कुशलं किम् ?**	घर में सब कुशल से तो हैं ? / घर पर सब ठीक–ठीक तो है।
19	**अन्यः कः विशेषः ?**	और कोई खास बात ?
20	**कुतः गुच्छति ?**	आप कहाँ से पधार रहे हैं ?
21	**विद्यालयतः/गृहतः/....... तः आगच्छामि**	स्कूल से/घर से .... से आ रहा/रही हूँ।
22	**कुत्र गच्छति**	कहाँ जा रहे/रही हैं ?
23	**देवालयं/कार्यालयं गच्छामि/विपणिं गच्छामि**	मन्दिर/ऑफिस जा रहा हूँ / बाजार जा रहा हूँ।
24	**कयं मेलनं विरलं जातम्।**	कैसे बहुत दिनों में मिले ?
25	**भवन्तं कुत्रापि दृष्टवान्।**	आपको कहीं देखा लगता है।
26	**कुशली/कुशलिनी अस्मि।**	सब ठीक है।
27	**भवान् सम्भाषणशिविरं आगतवान् किम् ?**	आप सम्भाषण–शिविर में कभी आए थे क्या ?
28	**तर्हि कुत्र दृष्टवान् स्यात् ?**	तो कहाँ देखा हो सकता है ?
29	**तर्हि तत्रैव दृष्टवान् स्यात् ?**	तो वहीं देखा जा सकता हैं।

संस्कृते प्रश्नोत्तराणि

प्रश्न 1 **भवतः नाम किम्। ?**

उत्तर मम नाम गौरवः अस्ति।

प्रश्न 2 **भवत्याः नाम किम् ?**

उत्तर अहं सुरभिः अस्मि।

प्रश्न 3 मम नाम .... |

उत्तर मम नाम रमेशः .... अस्ति।

प्रश्न 4 एषः तव (तुम्हारा) वयस्यः / मित्रं अस्ति ?

उत्तर आम्ः एषः मम मित्रं नरेशः अस्ति।

प्रश्न 5 किं भवान् एतद्विषये श्रुतवान् ?

उत्तर आम् (हाँ)/एतस्य एत विषये जानामि।

प्रश्न 6 एषा (मम) सखी .... अस्ति ?

उत्तर एषा मम मित्रं/सखी .... सरला अस्ति/वर्तते।

प्रश्न 7 भवान् किं उद्यमं करोति ?

उत्तर अहं संगणक–कार्ये (कम्प्यूटर) रतः।

प्रश्न 8 भवती किं (उद्योगं) करोति ?

उत्तर अहं कार्यालये टंकण–कार्य करोमि।

प्रश्न 9 भवान् कस्मिन् व्यवसाये अस्ति ?

उत्तर अहं शिक्षकः अस्मि।

प्रश्न 10 भवती किं व्यवसायं करोति ?

उत्तर अहं शिक्षिका अस्मि।

प्रश्न 11 भवान् कुत्र कार्यार्थं गच्छति ?

उत्तर अहं सचिवालयं कार्यार्थं गच्छामि।

प्रश्न 12 भवती कस्यां कक्षायां पठति ?

उत्तर अहं दशम्यां कक्षायां पठामि।

प्रश्न 13 त्वम् कस्यां पाठशालायां पठसि ?

उत्तर अहं राजधानी–विद्यालये पठामि।

प्रश्न 14 भवान् कस्मिन् महाविद्यालये पठति।

उत्तर हिन्दु महाविद्यालये पठामि।

प्रश्न 15 भवतः ग्रामः कः अस्ति।

उत्तर टनकपुरम् मम ग्रामः अस्ति।

प्रश्न 16 कुतः आगच्छति ?

उत्तर मेरठतः आगच्छामि।

प्रश्न 17 किं भवान्/भवती गृहतः आगच्छति ?

उत्तर अहम् विद्यालयतः / ग्रामात् आगच्छामि।

प्रश्न 18 **कुत्र गच्छति (भवान् / भवती) ?**

उत्तर विद्यालयं / गृहं गच्छामि।

प्रश्न 19 **किं (भवान् / भवती) देवालयं विद्यालयं ग्रामं वा गच्छति ?**

उत्तर अहन्तु कार्यालयं गच्छामि।

प्रश्न 20 **कथं मेलनं विरलं जातम्।**

उत्तर व्यवसाय कार्ये व्यस्तता कारणात् मेलनं विलम्बेन जातः।

प्रश्न 21 **भवन्तं / भवतीं कुत्रापि दृष्टं स्यात् ?**

उत्तर विश्व पुस्तक मेलायां दिल्ल्यां दृष्टवान् भवेत्।

प्रश्न 22 **किं भवान् कुशली / भवती कुशलिनी वर्तते ?**

उत्तर अहं कुशली / कुशलिनी अस्मि।

प्रश्न 23 **किं भवान् संस्कृत–संभाषण–शिविरं आगतवान् ?**

उत्तर अहं संस्कृत सम्भाष शिविरं न आगतवान्–आसम्।

प्रश्न 24 **तर्हि कुत्र दृष्टवान् स्यात् ?**

उत्तर मन्ये प्रयागे दृष्टवान् भवेत्।

प्रश्न 25 **किं तिरुपतौ दृष्टवान् ?**

उत्तर नहि तत्र त अहं न गतः।

3 सरल–वाक्यानि (सरल वाक्य)

1	**तथैव अस्तु**	ऐसा ही हो / ठीक है।
2	**जानामि**	मैं जानता / जानती हूँ।
3	**आम्, तत् सत्यम्।**	हाँ वह सच है।
4	**समीचीना सूचना।**	आपने ठीक सुना है। (सूचना सही है)
5	**स्वल्पम् एव।**	बहुत थोड़ा ही।
6	**किमर्थं तद् न भवति ?**	वह (वैसा) क्यों नहीं हो रहा है।
7	**भवतु नाम।**	चले, जाने दो।
8	**अहो! तथा किम् ?**	ओहो ऐसा है क्या ?
9	**एवमपि अस्ति किम् ?**	क्या ऐसा भी है ?
10	**अथ किम् ?**	और क्या ?
11	**नैव किल ?**	नहीं तो।
12	**भवतु।**	होने दो / ठीक ही है।

13	**आगच्छतु।**	आइए।
14	**उपविशतु।**	आप बैठिए।
15	**सर्वथा मास्तु।**	ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए।
16	**किम् अन्यत् ?**	और क्या ?
17	**अस्तु किम्।**	ऐसा करना चाहिए क्या ?
18	**किमर्थं भोः ?**	क्यों जी ?
19	**प्राप्तं खलु ?**	मिल गया क्या ?
20	**किं भवति–इति पश्यामः।**	क्या होगा देखते हैं।
21	**ज्ञातम्**	एक समझ गया।
22	**कथम् आसीत् ?**	कैसा रहा ?
23	**अङ्गीकृतं खलु ?**	मान लिया / स्वीकार लिया क्या ?
24	**कति अपेक्षितानि ?**	कितने चाहिए ?
25	**इदानीं एव किम् ?**	अभी–अभी ही (चाहिए) क्या ?
26	**आगन्तव्यं भोः।**	आना चाहिए।
27	**तदर्थं किम् ?**	उसके लिए ?
28	**तत्किमपि मास्तु।**	कुछ नहीं चाहिए।
29	**न दृश्यते ?**	नहीं दिखाई पड़ता ?
30	**समाप्तम् ?**	समाप्त हो गया ?
31	**कस्मिन् समये ?**	कितने बजे ?
32	**तथापि ....।**	तो भी।
33	**आवश्यकं न आसीत्।**	नहीं जरूरी था।
34	**तिष्ठतु भोः।**	जरा रुकिये तो।
35	**स्मरति खलु ?**	याद है न ?
36	**तथा किमपि नास्ति।**	वैसी कोई बात नहीं है।
37	**कथमस्ति भवान् ?**	आप कैसे हैं ?
38	**मा विस्मरतु।**	भूलिए मत।
39	**अन्यच्च।**	और भी।
40	**तदनन्तरम्**	उसके पश्चात्
41	**तावदेव खलु।**	बस उतनी ही बात ?

42	**महान् आनन्दः।**	बहुत प्रसन्नता हुई।
43	**तथा न।**	वैसा नहीं।
44	**तस्य कः अर्थः ?**	इसका तात्पर्य क्या है ?
45	**आम्।**	हाँ
46	**एवमेव।**	ऐसे ही।

संस्कृते–प्रश्नोत्तराणि

प्रश्न 1 **भगवन् ! मह्यं विद्याबलं यच्छतु !**

उत्तर तथैवास्तु।

प्रश्न 2 **किं त्वं तरणं जानासि ?**

उत्तर आम्, अहं जानासि।

प्रश्न 3 **अद्य सर्वत्र भ्रष्टाचार एव दृश्यते।**

उत्तर आम् ! तत् सत्यम्।

प्रश्न 4 **रे मित्र ! मम पुत्रः विदेशादगतोऽस्ति।**

उत्तर एषा समीचीना सूचना अस्ति।

प्रश्न 5 **किं जीवन–कालं स्वल्पमस्ति ?**

उत्तर आम् ! पयः फेन बुद्बुद् इव स्वल्पं जीवितम्।

प्रश्न 6 **त्वं कथं विद्यालयं ह्यःनागतवान् ?**

उत्तर मम गृहे कश्चन रुग्णः आसीत् इति नागतवान।

प्रश्न 7 **तव भगिनी कस्यां कक्षायां पठति ?**

उत्तर सा तु अष्टम्यां कक्षायां पठति।

प्रश्न 8 **अद्य एव परीक्षा दातव्या किल ?**

उत्तर नहि परीक्षा तु मार्च–मासे भविता ?

4 सामान्य–वाक्यानि (सामान्य वाक्य)

प्रयत्नं करोमि।	प्रयास करता / करती हूँ।
न शक्यते भोः।	नहीं हो सकेगा जी।
तथा न वदतु।	वैसा मत बोलिए।
तत्र कोऽपि सन्देहः नास्ति।	इसमें कोई शक नहीं है।
तदहं न जानामि।	मैं वह नहीं जानता।
कदा ददाति ?	कब देते हैं ?

अहं कथं वदामि ?	कैसे कह सकता हूँ ?
तथा भवति किम् ?	ऐसा होता है क्या ?
भवतः समयः अस्ति किम् ?	आपको अवकाश है क्या ?
अद्य भवतः कार्यक्रमः कः ?	आज आपका क्या कार्यक्रम है ?
अरे ! पादे / हस्ते किम् अभवत् ?	अरे / हाथ–पैर को क्या हो गया है ?
बहुदिनेभ्यः ते परिचिताः।	बहुत समय से वे परिचित हैं।
तस्य कियद् धाष्ट्र्यं पश्यतु।	उसकी ढिठाई तो देखो।
भवान् न उक्तवान् एव।	अपने तो कुछ कहा नहीं।
अहम् किं करोमि ?	मैं क्या करूँ ?
अहम् न जानामि।	मैं नहीं जानता / जानती हूँ।
यथा भवान् इच्छति तथा।	जैसा आप चाहते हैं – वैसा (करें)।
भवतु, चिन्तां न करोतु।	चलो, चिन्ता मत करो।
तेन किमपि न सिद्ध्यति।	उससे कुछ नहीं होने वाला है।
सः सर्वथा अप्रयोजकः।	वह तो बिल्कुल निरर्थक है।
प्रयोजनम् एव नास्ति।	बिल्कुल लापरवाह / बेकार है।
पुनरपि एकवारं प्रयत्नं कुर्मः।	फिर एक बार प्रयत्न करते है।
मौनमेव उचितम्।	इस बारे में चुप रहना ही ठीक है।
तद्विषये अहं किमपि न वदामि।	उसके बारे में मैं कुछ नहीं बोलूँगा।
विचिन्त्य एवं वक्तव्यम्।	सोचकर ही कुछ कहना चाहिए।
तर्हि समीचीनम्।	तब तो सही है।
एवं चेत् कथम् ?	इस तरह हो तो कैसा रहेगा ?
मां किञ्चत् स्मारयतु।	जरा मुझे स्मरण कराना।
तम् अहं सम्यक् जानामि।	उन्हें मैं खूब जानता / जानती हूँ।
तदानीमेव उक्तवान् खलु ?	उसी समय मैंने कह दिया था न ?
कदा उक्तवान् भोः ?	कब कहा था आपने ?
यत्किमपि भवतु।	जो कुछ भी हो।
सः बहु समीचिनः।	वह बहुत सही कहता है।
सः बहु रुक्षः।	वह बहुत सरल नहीं है (रूखे स्वभाव का है)
तद्विषये चिन्ता मास्तु।	उसके बारे में मत सोचिए।

तथैव इति न नियमः।	ऐसा ही होगा – यह तो कोई नियम नहीं है।
कर्तुं शक्यम् परं किंचित् समयः अपेक्ष्यते।	किया तो जा सकता है पर उसमें समय लगेगा।
एतावत् अपि कृतवान् !	इतना तक तो किया गया।
द्रष्टुम् एव न शक्यते।	देख ही नहीं सकते।
तत्रैव कुत्रापि स्यात्।	उधर ही कहीं हो सकता है।
यथार्थं वदामि।	सच बोलता हूँ।
एवं भवितुम् अर्हति।	ऐसा भी हो सकता है।
कदाचित् एवमपि स्यात्।	कभी–कभी इस तरह भी होता है।
किम् अहं तावदपि न जानामि ?	क्या में इतना भी नहीं समझता / जानता।
कः न इच्छति ?	कौन नहीं जानता ?
तत्र गत्वा किं करोति ?	वहाँ जाकर क्या करते हैं ?
पुनः आगच्छन्तु।	फिर आइये।
मम कोऽपि क्लेशः नास्ति।	मुझे तो कोई तकलीफ नहीं है।
एतत् कष्टकरं न।	यह बहुत मुश्किल तो नहीं है।
भोः, किम् आनीतवान् ?	अरे ! क्या लाए हैं ?
भवन्तं कः उक्तवान् ?	आपको किसने बताया ?
किंचिदनन्तरं आगच्छेत्।	कुछ देर से आने वाला है।
प्रायः तथा न स्यात्।	अक्सर ऐसा नहीं होता लगता है।
चिन्ता मास्तु, श्वः ददातु।	कोई बात नहीं, कल दे देना।
अहं पुनः सूचयामि।	मैं फिर सूचित करूँगा।
अद्य आसीत् किम् ?	आज था क्या ?
अवश्यम् आगच्छामि।	निश्चित ही आऊँगा।
किम् नागराजः अस्ति ?	नागराज जी हैं क्या ?
किमर्थम् एवं जातम् ?	किसलिए ऐसा हुआ ?
किम् तत्र आसीत् ?	क्या था वहाँ ?
किम् किमपि उक्तवान् ?	कुछ कहा था क्या ?
कुतः आनीतवान् ?	कहाँ से लाए हो ?
अन्यत् किमपि कार्यं नास्ति।	और कोई काम नहीं है।
मम वचनं शृणोतु।	मेरा कहा सुनो।

एतत् सत्यं खलु।	यह सच है ?
तद् अहम् अपि जानामि।	वह तो मैं भी जानता हूँ।
तावद् आवश्यकं न।	वैसा आवश्यक नहीं है।
भवतः का हानिः ?	आपका कुछ नुकसान हुआ क्या ?
किमर्थम् एतावान् विलम्बः ?	किसलिए इतनी देर हुई है ?
यथेष्टम् अस्ति।	पर्याप्त/काफी है।
भवतः अभिप्रायः कः ?	आपका आशय क्या है ?
तस्य किं कारणम् ?	उसकी क्या वजह है।
स्वयमेव करोति किम् ?	आपने आप करोगे क्या ?
तत् मह्यं न रोचते।	मुझे वह अच्छा नहीं लगा।
उक्तम् एव वदति सः।	उसी बात को दुहराता है वह।
अन्यथा बहु कष्टम्।	वरना बहुत तकलीफ होगी।
किमर्थं पूर्वं न उक्तवान् ?	किसलिए पहले नहीं कहा ?
स्पष्टं न जानामि।	अच्छी तरह/ पूरी तरह नहीं जानता हूँ।
निश्चयः नास्ति।	अभी तय नहीं है।
भवान् कुत्र आसीत् ?	आप कहाँ रहे (थे) ?
भीतिः मास्तु।	डरना मत।
भयस्य कारणं नास्ति।	डरने की कोई वजह नहीं है।
तदहं बहु इच्छामि।	मैं वह बहुत चाहता हूँ।
कियत् लज्जास्पदम् ?	कितने शर्म की बात है ?
एषः मम दोषः न।	इसमें मेरी कोई कमी/दोष/गलती नहीं है।
मम तु आक्षेपः नास्ति।	यह मेरा आरोप नहीं है।
सः शीघ्रकोपी।	वह जल्दी ही नाराज हो जाता है।
गम्भीरः मा भवतु।	इतने गम्भीर मत बनिए।
आगतः एषः वराकः।	आ गया यह बेचारा।
युक्ते समये आगतवान्।	सही वक्त पर तुम आ गए।
बहु जल्पति भोः।	वह तो व्यर्थ की बातें करता है।
एषा केवलं किंवदन्ती	यह तो सुनी सुनाई बात ही है।
किमपि न भवति	कुछ भी नहीं होने वाला है।

एवमेव आगतवान्।	ऐसे ही आ गया।
विना कारणं किमर्थं गन्तव्यम् ?	बिना किसी खास उद्देश्य के क्यों जाएँ ?
भवतः वचनं सत्यम्।	आप सच कहते हैं।
मम वचनं कः श्रृणोति ?	मेरा कहा कौन मानता है ?
तदा किमपि न स्फुरितम्।	उस समय तो कुछ सूझा ही नहीं।
किमर्थं तावती चिन्ता ?	इतनी फिक्र करते हैं ?
भवतः किम् अस्ति कष्टम् ?	आपको बस तकलीफ है ?
राम राम ! एवं न भविव्यम् आसीत्।	राम राम ! ऐसा नहीं होना चाहिए था।
अन्यथा मा चिन्तयतु।	आप इसे गलत नहीं मानना।

संस्कृते प्रश्नोत्तराणि

प्रश्न 1 **किम् मम कार्यं करिष्यति।**
उत्तर प्रयत्नम् करोमि।

प्रश्न 2 **किम् ईश्वरम् द्रष्टुं शक्यते ?**
उत्तर न शक्यते।

प्रश्न 3 **भवान् पुरस्कारं न अर्हति।**
उत्तर तथा न वदतु।

प्रश्न 4 **किम् सः महान् आसीत् ?**
उत्तर तत्र कोपि सन्देहः नास्ति।

प्रश्न 5 **तस्य चरित्रं जानाति किम् ?**
उत्तर तद् अहं न जानामि।

प्रश्न 6 **कदा ददाति मम पुस्तकम् ?**
उत्तर अध्ययनानन्तरम्।

प्रश्न 7 **तस्य मरणविषये वदतु।**
उत्तर अहं अथं वदामि।

प्रश्न 8 **स पादेन विनापि चलति किम् ?**
उत्तर तथा भवति किम् ?

प्रश्न 9 **अद्य समयः अस्ति किम् ?**
उत्तर अद्य नास्ति समयः।

प्रश्न 10 **अद्य मम कोपि कार्यक्रमः कः ?**
उत्तर अद्य मम कोपि कार्यक्रमः नास्ति।

प्रश्न 11 **अरे ! पादस्य–हस्तस्य किम् अभवत् ?**

उत्तर किमपि न अभवत्।

प्रश्न 12 **किम् ते परिचिताः ?**

उत्तर बहुदिनेभ्यः ते परिचिताः।

प्रश्न 13 **आचार्य भवान् किम् कथयति माम् ?**

उत्तर न किमपि।

प्रश्न 14 **भवान् मया सह कथं न अगच्छत् ?**

उत्तर भवान नहि उक्तवान एव।

प्रश्न 15 **अहं किम् करोमि।**

उत्तर गुरोः पादवन्दनम् कुरु।

प्रश्न 16 **गुरुः रुग्णः किं न जानाति ?**

उत्तर अहं न जानामि।

प्रश्न 17 **किम् मम इच्छानुसारं भविष्यति ?**

उत्तर अहं न जानामि।

प्रश्न 18 **अहं तव कार्यं कर्तुमसमर्थः।**

उत्तर भवतु, चिन्तां न करोतु।

प्रश्न 19 **किम् मनोरथेन सिध्यति।**

उत्तर तेन किमपि न सिध्यति।

प्रश्न 20 **सुरेन्द्रः चरित्रे कीदृशः।**

उत्तर सः सर्वथा अप्रयोजकः।

प्रश्न 21 **तव टी०वी० कीदृशः अस्ति।**

उत्तर प्रयोजनमेव नास्ति।

प्रश्न 22 **तव कार्यं सफलं न जातम्।**

उत्तर पुनरपि एकवारं प्रयत्नं कुर्मः।

प्रश्न 23 **मूर्खस्य सम्मुखे किम् कर्तव्यम्।**

उत्तर मौनमेव उचितम्।

प्रश्न 24 **किम् भवान् परीक्षायाः विषये जानाति ?**

उत्तर तद् विषये अहं किमपि न जानामि।

प्रश्न 25 **कथं वक्तव्यम्।**

उत्तर विचिन्त्य एव वक्तव्यम्।

प्रश्न 26 **अद्य अवकाशः अभवत्।**

उत्तर विचिन्त्य एव वक्तव्यम्।

प्रश्न 27 **एवं चेत् कथम् ?**

उत्तर अति समीचीनम्।

प्रश्न 28 **मम कार्यं न विस्मरतु।**

उत्तर मां किंचित् स्मारयतु।

प्रश्न 29 **किम् भवान् शिवं जानाति।**

उत्तर तम् अहं सम्यक् जानामि।

प्रश्न 30 **इंद कार्यं तु न सिद्धम् ?**

उत्तर तदानीमेव उक्तवान् खलु।

प्रश्न 31 **कदा उक्तवान् ?**

उत्तर तदा एव उक्तवान् ?

प्रश्न 32 **यत् किमपि भवतु।**

उत्तर अहं परीक्षायाम् सर्वप्रथमः भविष्यामि।

प्रश्न 33 **सः पठने कीदृशः।**

उत्तर सः बहु समीचीनः।

प्रश्न 34 **तव स्वामी कीदृशः।**

उत्तर सः बहु रुक्षः।

प्रश्न 35 **भवान् अधिकं श्रमं न करोतु।**

उत्तर तद्विषये चिन्ता मास्तु।

प्रश्न 36 **किम् अवकाशे न पठनीयः।**

उत्तर तथैव इति न नियमः।

प्रश्न 37 **किं भवान् एतत् कर्तुं शक्नोति ?**

उत्तर कर्तुं शक्यम्, किंचित् समयः अपेक्ष्यते।

प्रश्न 38 **रामः स्वल्पमेव अध्ययनं कृतवान्।**

उत्तर एतावत् तु कृतवान्।

प्रश्न 39 **किं भवान् चलचित्रं दृष्टवान् ?**

उत्तर द्रष्टुम् एव न शक्यते।

प्रश्न 40 **मम भ्राता कुत्रास्ति ?**

उत्तर तत्रैव कुत्रापि स्यात।

प्रश्न 41 **किम् सत्यम् वदसि ?**

उत्तर यथार्थं वदामि।

प्रश्न 42 **किम् एवं भवितुम् अर्हति ?**

उत्तर एवं भवितुम् अर्हति।

प्रश्न 43 **कदाचित् मूकः अपि वदति ?**

उत्तर कदाचित् एवमपि स्यात्।

प्रश्न 44 **तव पिता अध्यापकः न तु चिकित्सकः।**

उत्तर किम् अहं तावदपि न जानामि।

प्रश्न 45 **कः न इच्छति सुखम् ?**

उत्तर मूढः न इच्छति सुखम्।

प्रश्न 46 **तत्र गत्वा किम् करोति ?**

उत्तर तत्र गत्वा भाषणं श्रृणोमि।

प्रश्न 47 **अधुना वयं गच्छामः।**

उत्तर पुनः आगच्छन्तु भवन्तः।

प्रश्न 48 **किम् तव कोऽपि क्लेशः ?**

उत्तर मम कोऽपि क्लेशः नास्ति।

प्रश्न 49 **किम् एतत् कार्यं कष्टकरम् ?**

उत्तर एतत् कष्टकरं न।

प्रश्न 50 **किमर्थं आनीतवान्।**

उत्तर माम् पिता उक्तवान्।

प्रश्न 51 **भवन्तं कः उक्तवान् ?**

उत्तर माम् पिता उक्तवान्।

प्रश्न 52 **भवद्गुरुः कदा आगमिष्यति ?**

उत्तर किंदचिद्अनन्तरम् आगच्छेत्।

प्रश्न 53 **किं पूर्ववत् त्रुटिः स्यात् ?**

उत्तर प्रायः तथा न स्यात्।

प्रश्न 54 **किम् अद्यैव शुल्कः दातव्यः ?**

उत्तर चिन्ता मास्तु, श्वः ददातु।

प्रश्न 55 **किम् अन्यः समाचारः सूचनीयः ?**

उत्तर अहं पुनः सूचयिष्यामि।

प्रश्न 56 **अद्य आसीत् किस् ?**

उत्तर अद्य विवाहोत्सवः आसीत्।

प्रश्न 57 **किम् भवान् अस्माकं उत्सवे आगमिष्यति ?**

उत्तर अवश्यम् आगमिष्यामि।

प्रश्न 58 **किम् नागराजः अस्ति ?**

उत्तर आम् श्रीमन्।

प्रश्न 59 **किमर्थम् एवं जातम् ?**

उत्तर अधिकभक्षणात् व जातम्।

प्रश्न 60 **किम्, तत्र एव आसीत् ?**

उत्तर रमेशः तत्र एव आसीत्।

प्रश्न 61 **किम् किमपि उक्तवान् ?**

उत्तर हे राजन् इयं सुधा त्वया सह गमिष्यामि इति उक्तवान्! ।

प्रश्न 62 **कुतः आनीतवान् ?**

उत्तर दिल्लीतः आनीतवान्।

प्रश्न 63 **कथं उपविशति ?**

उत्तर अन्यत् किमपि कार्यं नास्ति।

प्रश्न 64 **कस्य वचनं शृंणुयाम् ?**

उत्तर मम वचंनं शृणोतु।

प्रश्न 65 **एतत् सत्यं खलु ?**

उत्तर आम्, एतत् सत्यम्।

प्रश्न 66 **किम् भवान् संगीतं जानाति।**

उत्तर तद् अहमपि जानामि।

प्रश्न 67 **किं विवाहोत्सवे गमनं आवश्यकम्।**

उत्तर तावद् आवश्यकं न।

प्रश्न 68 **भवतः का हानि।**

उत्तर मम धनस्य हानिः।

प्रश्न 69 **किमर्थम् एतावान् विलम्बः ?**

उत्तर परिवारे जन्मोत्सवः आसीत्।

प्रश्न 70 **किमिदम् यथेष्टम् / पर्याप्तम्।**

उत्तर यथेष्टम् अस्ति।

प्रश्न 71 **भवतः अभिप्रायः कः।**

उत्तर मम अभिप्रायः भवान् ईश्वरभक्तः भवतु।

प्रश्न 72 **तस्य किम् कारणम्।**

उत्तर तस्य कारणं कर्मफलम् अस्ति।

प्रश्न 73 **स्वयमेव कार्यं करिष्यामि।**

उत्तर स्वयमेव कार्यं करिष्यामि।

प्रश्न 74 **किं भवते दुग्धं रोचते ?**

उत्तर तत् मह्यं न रोचते।

प्रश्न 75 **किम् छात्रः पाठं रटति ?**

उत्तर उक्तम् एव रटति सः।

प्रश्न 76 **गुरोः आदेशं कथं न पालयति ?**

उत्तर अन्यथा बहुकष्टम्।

प्रश्न 77 **किमर्थम् पूर्वम् न उक्तवान् ?**

उत्तर पूर्वम् ज्ञानम् न आसीत्।

प्रश्न 78 **किम् अध्यात्मविषये जानाति ?**

उत्तर स्पष्टं न जानामि।

प्रश्न 79 **किम् विनीतः दिल्लीं आगमिष्यति।**

उत्तर निश्चयः नास्ति।

प्रश्न 80 **भवान् कुत्र आसीत्।**

उत्तर अहं विद्यालय आसम्।

प्रश्न 81 **मम परीक्षायाः भीतिः अस्ति।**

उत्तर भीतिः मास्तु।

प्रश्न 82 **अहं मरणात् बिभेमि।**

उत्तर भयस्य कारणं नास्ति।

प्रश्न 83 **किम् भवान् मिष्टान्नम् इच्छति ?**

उत्तर भयस्य कारणं नास्ति।

प्रश्न 84 **पिता–पुत्रयोः कलहः जातः।**

उत्तर कियत् लज्जास्पदम्।

प्रश्न 85 **किम् एष तव दोषः ?**

उत्तर एष मम दोषः न।

प्रश्न 86 **मयि निर्दोषे किमर्थम् आक्षेपः ?**

उत्तर मम तु आक्षेपः नास्ति।

प्रश्न 87 **दुर्वासा–मुनेः कीदृशः स्वभावः ?**

उत्तर सः शीघ्रकोपी आसीत्।

प्रश्न 88 **किम् विदाई–समारोहे गंभीरः भवान् ?**

उत्तर गम्भीरः मा भवतु।

प्रश्न 89 **किम् अहं विलम्बेन आगतः ?**

उत्तर युक्ते समये आगतवान्।

प्रश्न 90 **सः दुर्मुखः कीदृशः ?**

उत्तर बहु–जल्पति भोः।

प्रश्न 91 **किम् एषा घटना सत्या ?**

उत्तर एषा केवलं किम्वदन्ती।

प्रश्न 92 **किम् भारत–पाक–युद्धः भविष्यति ?**

उत्तर किमपि न भवति।

प्रश्न 93 **भवान् अत्र केन उद्देश्येन आगतवान् ?**

उत्तर एवमेव आगतवान्।

प्रश्न 94 **किम् भवान् न्यायालये गमिष्यति ?**

उत्तर एवमेव आगतवान्।

प्रश्न 95 **मम वचनम् कीदृशं अस्ति ?**

उत्तर भवतः वचनं सत्यम्।

प्रश्न 96 **मम वचनं कः शृणोति ?**

उत्तर भवतः वचनं अहम् शृणोति।

प्रश्न 97 **तस्य प्रश्नस्य उत्तरं कथं न दत्तवान् ?**

उत्तर तदा किमपि न स्फुरितम्।

प्रश्न 98 **किमर्थम् तावती चिन्ता ?**

उत्तर यतः कन्या विवाहयोग्या जाता।

प्रश्न 99 **भवतः किम् अस्ति कष्टम् ?**

उत्तर मम पितृ–वियोग–कटम् अस्ति।

प्रश्न 100 **तस्य नवजातशिशुः मृत्युं गतः ?**

उत्तर राम, राम एवं न भवितव्यम्।

प्रश्न 101 **किम् मम दोषात् भवान् न आगतवान् ?**

उत्तर अन्यथा मा चिन्तयतु।

5. मित्र–मिलनम् (दोस्त से अचानक भेंट)

नमो नमः।	नमस्कार।
किं भोः दर्शनमेव नास्ति।	आजकल तो आप दीखते ही नहीं।
नैव, अत्रैव संचरामि किल !	नहीं जी ! मैं इधर ही आता–जाता रहता हूँ।
किं भोः, वार्ता एव नास्ति ?	अरे ! कुछ भी पता–समाचार नहीं मिलता?
किं भोः, एकं पत्रम् अपि लिखितम्!	ओह! कोई पत्रादि भी तो नहीं मिला ?
वयं सर्वे विस्मृताः किम् ?	हम सभी को भुला दिया क्या ?
कथं विस्मरणं भवति भोः ?	वाह ! (आप सब को) कैसे भूल सकते हैं।
भवतः सङ्केतम् एव न जानामि स्म।	आपका पता ध्यान से उतर गया था / नहीं मालूम था।
महाजनः संवृत्तः भवान्।	अब आप बड़े आदमी हो गए लगते हैं।
भवान् एव वा ! दूरतः न ज्ञातम्।	अरे आप ! दूर से तो पहचान नही सका।
ह्यः भवन्तं स्मृतवान्।	कल ही आपको याद कर रहा था।
किम् अत्र आगमनम् ?	कैसे इधर आए ?
अत्रैव किचिंत् कार्यम् अस्ति।	यहीं कुछ कार्य है।
आवश्यकं कार्यम् आसीत्, अतः आगतवान्।	कुछ जरूरी काम था, इसलिए आ गया।
बहुकालतः प्रतीक्षां करोमि।	बहुत देर से इन्तजार में बैठा हूँ।
यानं न प्राप्तम्, अत एव विलम्बः।	कोई वाहन नहीं मिला इसलिए देर हुई।
आगच्छतु भोः गृहं गच्छाम।	आइये घर चलते हैं।
इदानीं वा, समयः नास्ति भोः।	अभी तो समय नहीं है।
श्वः सायं मिलाम किम् ?	कल शाम को मिल सकते हैं।
अवश्यं तत्रैव आगच्छामि।	जरूर वहाँ आ जाऊँगा।
इदानीं कुत्र उद्योगः ?	आजकल कहाँ काम–धाम है ?
यन्त्रागारे उद्योगः।	एक कारखाने में काम कर रहा हूँ।
एकत्र अध्यापकः अस्मि।	एक विद्यालय में शिक्षक हूँ।
इदानीं कुत्र वासः ?	इस समय कहाँ रहते हैं ?
एषः मम गृहसंकेतः।	यह है मेरा पता।
यानम् आगतम्, आगच्छामि।	बस आ गई, आ जाऊँगा।

अस्तु, पुनः पश्यामः।	ठीक है, फिर मिलते हैं।
पुनः अस्माकं मेलनं कदा ?	पुनः कब मिलेंगें ?
पुनः कदा मिलति भवान् ?	फिर कब भेंट हो सकती है।
तद्दिने किमर्थं भवान् न आगतवान् ?	उस दिन आप कैसे नहीं आए ?
वयं तदा एव आगतवन्तः।	हम सब तो तभी आ गए थे।
भवतः समीपे सम्भाषणीयम् अस्ति।	आपसे कुछ बातचीत करनी है।
भवान् अन्यथा गृहीतवान्।	आप मुझे ठीक नहीं समझ सके।
भवन्तं बहु प्रतीक्षितवान्।	बहुत समय तक आपके इन्तजार में था।
बहुकालतः तस्य वार्ता एव नास्ति।	बहुत दिनों से उसकी कोई खबर नहीं हैं।
भवतः पत्रम् इदानीम् एव लब्धम्।	आपकी चिट्ठी अभी–अभी मिली है।
गच्छामः, किचिंद्दूरम् अहमपि आगच्छामि।	हम चलते हैं, कुछ दूर मैं भी साथ चलता हूँ।
तिष्ठतु भोः, अर्धार्धं काफीं पिबाम।	थोड़ा रुकिए – आधा–आधा कप कॉफी पीते हैं।
अस्तु, पिबामः।	ठीक है – पीते हैं।
स्थातुं समयः नास्ति।	रुकने का अवकाश नहीं है।
गमनात् अनुक्षणमेव पत्रं लिखतु।	घर पहुँचते ही चिट्ठी लिखना।
पुनः कदाचित् मेलिष्यामि।	फिर कभी मिलेंगे।
यदा कदा वा भवतु, अहं सिद्धः।	जब कभी हो सके, मैं भी तैयार हूँ।
तान् मम शुभाशयान् निवेदयतु।	उन्हें हमारी शुभकामना कहना।
किं भोः, एवं वदति ?	क्यों ऐसा क्यों बोलते हैं।
किचिंत्कालं तिष्ठतु।	कुछ देर तो ठहरिए।
अत्र पत्रालयः कुत्र अस्ति ?	यहाँ डाकखाना किधर है ?
कियद्दूरे अस्ति ?	कितनी दूर है ?
वित्तकोषः कियद्दरे अस्ति ?	बैंक कितनी दूर है ?
किमर्थम् एवं त्वरा ?	किसलिए इतनी जल्दी है ?
इतोऽपि समयः अस्ति किम् ?	इसके बाद समय मिलेगा क्या ?
सर्वस्य अपि मितिः भवेत्।	यहाँ सभी की कुछ सिमाएँ हैं।
कियद् इति दातुं शक्यम् ?	कितना दे सकते हैं ?
कस्मिन् समये प्रतीक्षाणीयम् ?	कब (कितना) इन्तजार करेंगे ?
गृहे उपविश्य किं करोति ?	घर बैठे–बैठे क्या करेंगे ?

भवतः परिचयः एव न लब्धः।	आपका परिचय ही नहीं पा सका।
किं भोः, बहु कृशः जातः ?	क्यों इतने दुबले हो गए।
अवश्यं मम गृहम् आगन्तव्यम्।	मेरे घर अवश्य आना।
सः सर्वत्र दर्वीं चालयति।	हर किसी (काम) में दखल देता है।
यथा भवान् इच्छति।	जैसा आप कहते हैं।
परिहासाय उक्तवान् भोः।	मैंने मजाक में ऐसा कहा।
एषः भवतः, अपराधः न।	आपकी भूल इसमें नहीं है।
नैव, चिन्ता नास्ति।	नहीं कोई चिन्ता की बात नहीं है।
वयम् इदानीम् अन्यगृहे स्मः।	अब हम दूसरे घर (मकान) में रहते हैं ?
भवान् मम अपेक्षया ज्येष्ठः किम् ?	आप मुझसे बड़े है।
ओहो, मम अपेक्षया कनिष्ठः किम् ?	तब तो आप मुझसे (थोड़े) छोटे हैं ?
भवान् विवाहितः किम् ?	आप विवाहित हैं ?
नैव, इदानीमपि एकाकी।	नहीं मैं अकेला ही हूँ।
भवतः पिता कुत्र कार्यं करोति ?	आपके पिता कहाँ काम करते हैं ?
सः वर्षद्वयात् पूर्वमेव निवृत्तः।	वे तो दो साल हुए सेवा निवृत्त हो गए।
सः वृद्धः इव भाति।	वे बहुत बूढ़े प्रतीत होते हैं।
भवन्तः सर्वे सहैव वसन्ति किम् ?	क्या आप सब एक ही घर में रहते हैं ?
नैव, सर्वे विभक्ताः ?	जी नहीं, बँटवारा हो गया है ?
भवतः वयः कियत्।	आपकी उम्र क्या है।
भवन्तः कति सहोदराः ?	कितने भाई हो ?
भवान् एव ज्येष्ठः किम् ?	क्या आप ही बड़े हैं ?
मम एकः अग्रजः अस्ति।	मेरा एक बड़ा भाई है।
सः इदानीमपि बालः।	वह तो अभी भी बच्चा है।
भवतः अनुजायाः कति वर्षाणि ?	तुम्हारी बहन की क्या उम्र होगी ?
भवान् मा ददातु, मा स्वीकरोतु।	आप न दे और न लें।
अन्यं कमपि न पृच्छतु।	और किसी से मत पूछिए।
सः बहु वदति।	वह तो बहुत बातें बनाता है।
तर्हि सर्वं दायित्वं भवतः एव।	तब तो सारी जिम्मेदारी आप ही उठाते हैं।
सः सर्वत्र अग्रे सरति।	वह सब के बीच अगुवा रहना चाहता है।

भवन्तं अग्रे सरति।	आपसे घर पर ही मिलूँगा।
सः निष्ठावान्।	वह बहुत निष्ठावान् (कट्टर) है।
यावदहं प्रत्यागच्छामि, तावद् प्रतीक्षां करोतु।	जब तक मैं लौटूँ, इन्तजार करना।
द्वयोः एकः आगच्छतु।	दोनों में से एक आना।
तस्मै विषयः निवेदितः किम् ?	उन्हें सारी बातें बताई क्या ?
तस्य सः अत्यन्तं प्रीतिपात्रम्।	वह उन्हें बहुत पसन्द है।
भवता इदं न कर्तव्यम्।	आपको तो ऐसा नहीं करना चाहिए।
यदि सः स्यात् ....।	अगर वह होता ....।
अवश्यम् आगन्तव्यं, न विस्मर्तव्यम्।	जरूर आना भूलना नहीं।
कियत्कालं तिष्ठति ?	कब तक रुकेंगे ?
अहम् अपि एतां वार्तां श्रुतवान्।	मैंने भी ऐसी बात सुनी है।
सः स्तोकात् मुक्तः।	वह तो करीब–करीब (बाल–बाल) बच गया।
भवन्तं द्रष्टुं सः पुनः आगच्छति किम् ?	आपसे वह फिर मिलेगा ?
अहं किमर्थम् असत्यं वदामि ?	मैं किसलिए झूठ बोलूँ ?
भवान् अपि एवं वदति किम् ?	आप भी ऐसा कहते हैं ?
भवान् एवं कर्तुम् अर्हति किम् ?	क्या आप ऐसा करते हैं ? सकते हैं ?
भवान् गच्छतु, मम किचिंत् कार्यम् अस्ति।	आप जाइए मुझे थोड़ा काम है।
वृथा भवान् चिन्तां करोति।	आप तो बेकार में चिन्ता करते हैं।
दैवेच्छा तथा आसीत् किं कुर्मः ?	वह तो विधाता की इच्छा थी, हम लोग क्या कर सकते हैं।
अहम् अन्यद् उक्तवान्, भवान् अन्यद् गृहीतवान्।	आपने कुछ और अर्थ लगा लिया।
एतावद् अनृतं वदति इति अहं न ज्ञातवान्।	वह इतना झूठ बोलता है यह मैं नहीं जानता था।
प्रमादतः संवृत्तम्, न तु बुद्धया।	गलती से हुआ, जान करके तो ऐसा नहीं किया मैंने।
अयम् एकः शनिः।	यह भी शैतान है।
भवदुक्तं सर्वम् अपि अंगीकर्तुं न शक्यम्।	आपकी सारी बातें नहीं मान सकते।
अहं गन्तुं न शक्नोमि।	मैं नहीं जा सकता हूँ।
विषयस्य वर्धनं मास्तु।	(बेकार में) बातें मत बढ़ाओ।
सर्वेऽपि पलायनशीलाः।	सभी (तो) पलायनवादी हैं।
असम्बद्धं मा प्रलपतु।	अडं, बडं मत बोलो।
सर्वस्य अपि भवान् एव मूलम्।	सभी झगड़ों की जड़ आप ही हैं।

सुलभेन तस्य जाले पतितवान्।	बड़ी आसानी से उसके चक्कर में फँस गए।
अस्माकं मिलनानन्तरं बहु कालः अतीतः।	हमें मिले काफी दिन हो गए।
इदानीम् आगन्तुं न शक्यते।	अभी हम नहीं आ सकते हैं।
भवान् अपि अंगीकरोति किम् ?	आप भी (ऐसा) मानते हैं क्या ?
किं, भवान् अपि विश्वासितवान् ?	आपने भी विश्वास कर लिया ?
सः विश्वासयोग्यो वा ?	क्या वह विश्वसनीय है ?
किम् किचिंत् साहाय्यं करोति ?	क्या मेरी थोड़ी सहायता करेंगे ?
समयः कथम् अतिशीघ्रम् अतीतः ?	समय कैसे जल्दी व्यतीत हो गया ?
युक्ते समये आगतवान्।	ठीक मौके पर आप पधारे।
एकनिमेषं अपि विलम्बः चेत् अहं गतः स्याम्।	एक मिनट की भी देरी होती तो मैं निकल जाता।
अहमपि भवता सह आगच्छामि किम् ?	मैं आपके साथ चलूँ क्या ?
किचिंत्कालं द्विचक्रिकां ददाति किम् ?	क्या थोड़ी देर के लिए आप (अपनी) साइकिल देंगे ?
इदानीं मया अपि अन्यत्र गन्तव्यम्।	इस समय तो मुझे भी कहीं जाना है।
भवान् स्वकार्यं पश्यतु।	आप अपना काम देखें।
शीघ्रं प्रत्यागच्छामि।	जल्दी ही वापस लौटूँगा।
आवश्यकं चेत् श्वः आनयामि।	जरूरी हो तो कल ले आता हूँ।
'मास्तु' इत्युक्तेऽपि सः न शृणोति।	मना करने भी पर भी वह नहीं मानता।

संस्कृते प्रश्नोत्तराणि

प्रश्न 1 **अभिवादनस्य भारतीय प्रकारः कः ?**

उत्तर नमस्ते / नमोनमः / नमस्कारः / प्रणामः।

प्रश्न 2 **भवतां दर्शनमेव दुर्लभं जातं किल ?**

उत्तर आम् ! अहं नगरात् बहिरेव आहम्।

प्रश्न 3 **अपि भोः। भवतां वृत्तमपि न ज्ञायते।**

उत्तर अहं प्रायः गतदिनेषु व्यस्त एव आसम्।

प्रश्न 4 **अरे भ्रातः ! भवान् तु पत्रमपि न लिखति कथम् ?**

उत्तर परीक्षा–निमित्तं प्रायः व्यग्रः जातः।

प्रश्न 5 **वयं सर्वे विस्मृतिपथं नीताः खलु ?**

उत्तर न हि कथमेतत् सम्भवति, सदास्मरामः।

प्रश्न 6 **भवन्तोऽपि महापुरुषेषु सम्मिलितः किल ?**

उत्तर न खलु तथा अहं तु जनसामान्य एव।

प्रश्न 7 **मित्र ! कथं एवं वदसि।**

उत्तर सत्यमेव ब्रवीमि।

प्रश्न 8 **भवानत्र किन्निमित्तं प्राप्तः ?**

उत्तर किचिंत् कार्यं आपतितं आसीत्।

प्रश्न 9 **कथं भवान् चिरायितः ? बहुकालात् प्रतीक्षारतोऽहम्।**

उत्तर यानमेव बिलम्बेन लब्धः।

प्रश्न 10 **आगच्छताम् आवां गृह व्रजाव।**

उत्तर सम्प्रति न गच्छामि।

प्रश्न 11 **श्वः सन्ध्याकाले मेलनं भविष्यति किल ?**

उत्तर आम् अवश्यं अगच्छामि।

प्रश्न 12 **इदानीं भवतां कः उद्यमः ? यन्त्रागारे / निर्माण्यां उद्यमः ?**

उत्तर एकस्मिन् विद्यालये अध्यापकः / अध्यापिका अस्मि।

प्रश्न 13 **सम्प्रति कुत्र निवसति भवान् ?**

उत्तर प्रयागे वसामि ?

प्रश्न 14 **किम् यानं प्राप्तम् ?**

उत्तर आम् ! यानं प्राप्तम्, आगच्छामि।

प्रश्न 15 **किमहं गच्छेयम् ?**

उत्तर अस्तु ! पुनर्मिलाव ?

प्रश्न 16 **पुनः अस्माकं मेलनं कदा भविष्यति ?**

उत्तर आगामिनि वर्षे मिलावः।

प्रश्न 17 **सम्प्रति कुत्र पठति भवान् ?**

उत्तर दिल्यां पठामि।

प्रश्न 18 **तद्दिने कथन्न भवान् मिलितः ?**

उत्तर आवश्यके कार्ये व्यस्तत्वात् न प्राप्तः।

प्रश्न 19 **कथं भवान् रुष्टः जातः ?**

उत्तर भवान् अन्यथा गृहीतवान्।

प्रश्न 20 **बहुकालं प्रतीक्षितः भवानत्र ?**

उत्तर किचिंदेव विलम्बायितः।

प्रश्न 21 **मम पत्रं लब्धं किल ?**

उत्तर अद्यैव पत्रं प्राप्तवान्।

प्रश्न 22 **मया सह भवान् तत्र गन्तुमिच्छति ?**

उत्तर आम् । सदैव गच्छावः।

प्रश्न 23 **कियद् दूरं भवतां कार्यस्थलम् इतः ?**

उत्तर प्रायः पंच किलोमीटरमितं दूरं एव।

प्रश्न 24 **चायं रोचते भवते उत काफी वा।**

उत्तर मह्यं काफी रोचते।

प्रश्न 25 **किचिंत् कालं प्रतीक्षितुं इच्छति भवान् ?**

उत्तर आम् प्रतीक्षाकर्तुं पारयामि।

6. यात्रा

चिटिकां कुत्र क्रीणामि ?	टिकट (यात्रा–पत्र) कहाँ से लूँ ?
शीघ्रम् आगच्छतु, यानं गच्छति।	जल्दी आओ (नहीं तो) बस निकल जायेगी।
इदानीं एवएकं यानं गतम्।	अभी एक बस निकली है।
अहं भवतः पार्श्वे उपविशामि।	मैं आपके पास बैठता हूँ
महान् जनसम्मर्दः।	बहुत भीड़ है।
परीवर्तं ददातु।	फुटकर (छुट्टे) दे दो।
अग्रे गच्छतु।	आगे–आगे चलिए।
यानं कदा वा निर्गच्छति ?	गाड़ी कब छूटेगी (चलेगी)।
किम् अग्रिमं निः स्थानम् अस्माकम् ?	अगला पड़ाव (स्टाप) कब आएगा।
मल्लेश्वरयानस्य का संख्या ?	मल्लेश्वर जाने वाली गाड़ी कौन सी है ? (क्या नं० है)
किंसंख्याकं यानं जयनगरं गच्छति ?	कौन–सी गाड़ी जयनगर जाती है ?
फलकमपि नास्ति, किमपि नास्ति।	न नामपट है न और कुछ (चिह्न दीख रहा) हैं।
अये, पादपथे आगच्छतु।	अरे, फुटपाथ पर चलो।
मल्लेश्वरं गन्तुं कः मार्गः ?	मल्लेश्वर जाने का मार्ग कौन–सा है ?
अयं संकेतः कुत्र इति जानाति किम् ?	यह पता क्या आप जानते हैं ?
इतः केवलं दशनिमेषाणां गमनम्।	वहाँ तक पहुँचने में केवल दस मिनट लगेंगे।
यानं न लब्धम्।	बस नहीं मिली।
यानस्य निर्गमनाया इतोऽपि अर्धघण्टा अस्ति।	बस छूटने में अभी आधे घण्टे की देर है।
यानं दशवादने आगच्छति।	दस बजे बस आती है।
पंचवाने एकं यानम् अस्ति।	पाँच बजे एक गाड़ी है।

यानं तदानीम् एव आगत्य स्थितम्।	अरे ! बस तो तभी से आकर खड़ी है।
आरक्षणं नास्ति।	आरक्षण नहीं है।
एवमेव अग्रे गच्छतु।	ऐसे ही आगे चलिए।
अत्रैव कुत्रचित् स्यात्, अन्वेषणं कुर्मः।	यहीं कहीं हो सकता है पता लगाते हैं।
तत्रैव अस्ति / तत्रैव स्यात्।	वहीं है / वहीं होगा।
अहं न जानामि, अन्यं पृच्छतु।	मैं नहीं जानता किसी और से पूछ लीजिए।
भवान् शीघ्रं न गच्छति चेत् यानं न लभ्यते।	आप जल्दी नहीं जाते हैं तो बस नहीं मिलेगी।
अयं मार्गः कुत्र गच्छति ?	यह रास्ता कहाँ जाता है ?
भवान् आरक्षणं कृतवान् किम् ?	आपका आरक्षण हो गया है क्या ?
सर्वं स्वीकृतवान् किल ?	सारा कुछ ले लिया, क्या ?
कृपया सर्वबन्धकं स्वीकरोतु।	होल्डाल (बिस्तरबन्द) को उठाओ।

स्यूतम् – झोला।	**एतद्** – इस, इसको।
चिटिका–यात्रा–पत्र (टिकट)।	**यानस्यूतम्** – एयर बैग।
यानपेटिका–सूटकेस।	**वनितास्यूतम्** – वेनिटी बैग।

धनविषये जागरूको भवतु।	रूपये–पैसे सावधानी से रखें।
ततः आगन्तुम् एतावान् विलम्बः किमर्थम् ?	वहाँ से आने में इतनी देर क्यों हुई ?
एकम् अपि यानं न आगतम्।	एक भी बस नहीं आई।
षष्टिसंख्याकं यानं गतं किम् ?	साठ नम्बर वाली बस गई क्या ?
अहम् इदानीम् एव आगतवान्।	मैं अभी–अभी आया।
कीदृशः मार्गः एषः !	कैसा रास्ता है यह ?

संस्कृते–प्रश्नोत्तराणि

प्रश्न 1 **चिटिका कुत्र मिलति ?**

उत्तर रेल / बस / वायुयान आरक्षण केन्द्रे / प्रस्थान केन्द्रे मिलति।

प्रश्न 2 **त्वरितगमने का हानिः भवति ?**

उत्तर मार्गे पतनभयं संभवति।

प्रश्न 3 **यानस्य आगमनात् प्राक् कथं रेल / बस प्रस्थान केन्द्रे प्राप्तव्यम् ?**

उत्तर येन सुखेन उपवेशन–स्थानं लभेत।

प्रश्न 4 **किं उपवेशनाय स्थानं मिलिष्यति ?**

उत्तर आम् ! मिलित्वा उपविशावः।

प्रश्न 5 **किं रेल प्रस्थान केन्द्रे जनसम्मर्दः भवति ?**

उत्तर आम् यदा कदा जनसम्मर्दः भवत्येव।

प्रश्न 6 **यानं कदा निर्गच्छेत् ?**

उत्तर प्रायः दशवादने रात्रौ।

प्रश्न 7 **रेलयाने भवतां आरक्षणं सुनिश्चिम्।**

उत्तर आम् दशमे यान कक्षे–पंचत्रिंशत् संख्याकं अस्ति।

प्रश्न 8 **यानं कति वादने तत्र प्राप्स्यति ?**

उत्तर प्रायः चतुर्वादने अपराह्णे अपरे दिने।

प्रश्न 9 **किम् एवमेव अग्रे गमनीयम् ?**

उत्तर नहि वामतः अग्रे गन्तव्यम्।

प्रश्न 10 **मल्लेश्वर–यानस्य आगमनं कति संख्याके यान–मार्गे भविष्यति।**

उत्तर पंचसंख्याके यान–मार्गे मल्लेश्वर–यानं आगमिष्यति।

7. प्रवासतः प्रतिनिवर्तनम् (वापसी यात्रा)

कदा आगतवान्	कब आये ?
अद्य प्रातः आगतवान् वा ?	आज प्रातः आए क्या ?
कथम् आसीत् प्रवासः ?	यात्रा कैसी रही ?
कति दिनानां प्रवासः ?	कितने दिनों की यात्रा थी ?
प्रवासे व्यवस्था समीचीना आसीद् वा ?	यात्रा में व्यवस्था ठीक रही क्या ?
एकाकी गतवान् वा ?	क्या अकेले गए थे ?
एकाकी किमर्थम् ? परिवारसमेतः गतवान्।	अकेले कैसे, परिवार के साथ गया था।
दिनत्रयं तत्र स्थितवान्।	तीन दिन वहाँ रहा।
मार्गमध्ये अपघातः संजातः।	रास्ते में एक दुर्घटना हो गई।
विशेषतयां कोऽपि न व्रणितः।	ईश्वर की दया थी, किसी को कोई खास चोट नहीं लगी।
वस्तूनि एतावन्ति एव किम् ?	क्या इतना ही सामान है।
बहुधाश्रान्तः अस्मि भोः।	बहुत थक गया हूँ भाई !
त्रिचक्रिका किमर्थम् ?	आटोरिक्शा किसलिए चाहिए ?
लोकयानेन गच्छाम।	बस से जाएंगे।
कः प्रतीक्षते भोः ?	कौन इन्तजार करता रहे।
त्रिचक्रिकया एव गच्छाम।	आटोरिक्शा ही लेकर चलते हैं।

लोकयानेन–बस से	**त्रिचक्रिकया**–आटोरिक्शा से
सुखयानेन – लग्जरी बस से।	**पादाभ्याम्** – पैदल।
सामिसुखयानेन–सेमी–लग्जरी बस से।	**संलपन्तः** – बतियाते हुए।

किमर्थं वृथा व्ययः इति ?	क्यों फिजूल (व्यर्थ) खर्च करें ?
बहुकालतः प्रतीक्षां करोमि।	बहुत देर से इन्तजार कर रहा हूँ।
कदा प्रस्थितः ?	कब चले थे ?
काशीं रामेश्वरं सर्वं दृष्टवान् किम् ?	क्या काशी रामेश्वर सब देख आए ?
कियत् सुन्दरम् अस्तीति जानाति किम् ?	कितना सुन्दर है जानती हो ?
महद अद्भुतम्।	बहुत सुन्दर / अद्भुत।

संस्कृते–प्रश्नोत्तराणि

प्रश्न 1 **कदा अत्र प्राप्तः ?**

उत्तर अद्य प्रभात एव आगतः।

प्रश्न 2 **प्रवासः कीदृशः आसीत् ?**

उत्तर प्रायः सन्तोषजनक एव आसीत्।

प्रश्न 3 **मार्गे असुविधा तु नानुभूतः भवान् ?**

उत्तर गमनागमने तु कष्टं न्यूनाधिकं भवति एव।

प्रश्न 4 **ईदृशः प्रवासः पूर्वं कदापि कृतवान् वा ?**

उत्तर नहि प्रवासोऽयं विंशतिदिनात्मक आसीत्।

प्रश्न 5 **किं एकाकी गमनं जातम् ?**

उत्तर नहि सपरिवारः यात्री सम्पादितवाहनम्।

प्रश्न 6 **यात्रायाः कारणेन श्रान्तो भवान् ?**

उत्तर श्रान्तः एव अनुभवामि।

प्रश्न 7 **केन मानेन प्रायः सर्वे जनाः गच्छन्ति ?**

उत्तर बसयानेन एव सर्वे जनाः प्रायः गच्छन्ति।

प्रश्न 8 **कदा प्रभृति प्रतीक्षारतः भवान्।**

उत्तर प्रातः दशवादनात्।

प्रश्न 9 **त्रिचक्रिकया गमने किं कारणम् ?**

उत्तर त्रिचक्रिकया गमने गन्तव्य प्राप्तौ विलम्बः न जायते।

प्रश्न 10 **काशीं–रामेश्वर–यात्रादि–दर्शने जनाः गच्छन्ति ?**

उत्तर धार्मिकाः जनाः काशी–रामेश्वरादि–तीर्थयात्रा दर्शने गच्छन्ति।

8. छात्राः (छात्रगाण)

अत्रैव महाविद्यालये पठामि।	यहीं कालेज में पढ़ रहा हूँ।
सिद्धता कथम् अस्ति ?	तैयारी कैसी है ?
पाठ्यभागः एव न समाप्तः।	पाठ्यक्रम ही पूरा नहीं हुआ।
गणित श्रवणमात्रेण मम शिरोवेदना भवति।	गणित का नाम सुनते ही मुझे सिरदर्द होने लगता है।
गाढम् अभ्यासः वा ?	खूब अभ्यास / तैयारी कर ली ?
अद्य किमपि न पठितवान् एव।	आज कुछ नहीं पढ़ सका।
मम लेखनं न सुन्दरम्।	मेरी लिखावट सुन्दर नहीं है।
एतम् उपन्यासं पठितवान् किम् ?	क्या इस उपन्यास को आपने पढ़ा है ?
बहु सम्यक् अस्ति।	बहुत अच्छा है।
बहु पूर्वमेव पठितवान्।	बहुत दिन हुए पढ़ा था।
शीघ्रं पठित्वा ददामि भोः।	पढ़कर जल्दी ही लौटा दूँगा।
अद्य उत्थाने विलम्बः।	आज उठने में कुछ देर हो गई।
अहं गृहे एव त्यक्त्वा आगतवान्।	मैं घर पर उसे छोड़ कर आ गया।
अद्य तु विरामः।	आज तो छुट्टी है।
भवतः वर्गशिक्षकः कः ?	आप का कक्षा–शिक्षक कौन है ?
श्रीमन्, विशेषकक्ष्यां स्वीकरोति किम् ?	क्या आप विशेष कक्षा लेना चाहते हैं ?
लेखनीम् एकवारं ददाति किम् ?	जरा लेखनी तो दीजिए।
टिप्पणीं किचिंत् ददाति किम् ?	अपने नोट्स दोगे क्या ?
ह्यः एव गिरिशः स्वीकृतवान्।	उसे तो कल गिरीश ले गया।
अहं तद्दिने न आगतवान् आसम्।	उस दिन मैं नहीं आया था।
आगच्छतु भोः, क्रीडाम।	अरे आइये, खेलते हैं।
पठनीयं बहु अस्ति भोः।	बहुत पढ़ाई करनी है।
किं, मम पठनीयं नास्ति किम् ?	मुझे नहीं पढ़ना है क्या ?
पदवी अशीतितमे वर्षे समापिता किम् ?	क्या अस्सी के वर्ष में डिग्री हासिल की ?
सम्यक् न स्मरामि भोः।	खास याद नहीं आ रहा है।
तिष्ठतु, अहं स्मरामि तत्।	जरा रुको, मुझे स्मरण है।
श्वः आरम्भ्य सहाध्ययनं कुर्मः।	कल से मिलकर पढ़ते हैं।

संस्कृते–प्रश्नोत्तराणि

प्रश्न 1 **किं अस्मिन् महाविद्यालये भवान् पठति ?**

उत्तर आम् / अत्रैव पठामि।

प्रश्न 2 **परीक्षा–निमित्तं अभ्यासः कथं सिद्धः ?**

उत्तर प्रायः सम्यक् एव अस्ति।

प्रश्न 3 **किम् पाठ्यक्रमः पूर्णः जातः ?**

उत्तर पाठ्यक्रमस्तु प्रायः न पूर्णः।

प्रश्न 4 **भवतः गणिते रुचिरस्ति न वा ?**

उत्तर भो गणित शब्दश्रवने मे शिरसिवेदना प्रवर्तते।

प्रश्न 5 **पर्याप्तं अभ्यासस्तु करणीय एवासीत् नु ?**

उत्तर सत्यम् किन्तु किं करोमि, तथा न भवति।

प्रश्न 6 **अद्य कियत् कालं अभ्यसितवान् ?**

उत्तर अद्य तु किमपि न पठितवान्।

प्रश्न 7 **किम् भवतः लेखनशैली सम्यग् ?**

उत्तर प्रायः अभ्यासेन सुललितेति वक्तुं शक्यते।

प्रश्न 8 **एतं उपन्यासं अधीतवान् किल ?**

उत्तर न खलु, केवलं पूर्णं पाठोऽस्य कृतः।

प्रश्न 9 **मेघदूतम् कदा पठितवान् भवान् ?**

उत्तर किचिंत् कालपूर्व एव।

प्रश्न 10 **मम पुस्तकं कदा निर्वर्तयति भवान् ?**

उत्तर शीघ्रमेव पठित्वा प्रस्तोष्यामि।

प्रश्न 11 **अद्य प्रातःभ्रमणे कथं विलम्बो जातः।**

उत्तर रात्रौ विलम्बेत शयनं कृतवानिति।

प्रश्न 12 **भवतः श्वानः कुत्र गतः ?**

उत्तर ओह ! सः गृहं परित्यज्य गतः।

1.4 अपनी प्रगति जांचिए

1 भवान् कस्मिन् व्यवसाये अस्ति ?

2 किं त्वं तरणं जानासि ?

3 किं ईश्वरं द्रष्टुं शक्यते ?

4 किं भवते दुग्धं रोचते ?

5 मेघदूतम् कदा पठितवान् भवान् ?

1.5 सारांश

प्रस्तुत इकाई में दैनिक जीवन में काम आने वाले कुछ संस्कृत वाक्यों का संग्रह किया गया है। ये संस्कृत वाक्य संस्कृत भारती द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'संस्कृतव्यवहार –साहस्री' से उद्धृत किए गए हैं। इस इकाई में संस्कृतव्यवहारसाहस्री पुस्तक के पहले आठ विषय उद्धृत किए गए है, जो इस प्रकार है –

1.	शिष्टाचारः	2.	मेलनम्	3.	सरलव्याक्यानि
4.	सामान्य–व्याक्यानि	5.	मित्र–मेलनम्	6.	यात्रा
7.	प्रवासतः प्रतिनिवर्तनम्	8.	छात्राः		

इन विषयों पर आधारित वाक्यों का अभ्यास करके छात्र कहीं भी संस्कृत भाषा में सम्भाषण कर सकेंगे।

1.6 मुख्य शब्दावली

- **आरक्षिसेवायाम्** – पुलिस सर्विस में
- **वित्तकोषे** – बैंक में
- **यानपेटिका** – सूटकेस
- **लोकयानेन** – बस से
- **त्रिचक्रिकया** – ऑटोरिक्शा से

1.7 अपनी प्रगति जांचिए के उत्तर

1 अहं शिक्षकः अस्मि।

2 आम्, अहं जानामि।

3 न शक्यते।

4 तत् मह्यं न रोचते।

5 किंचित् कालपूर्वएव।

1.8 अभ्यास हेतु प्रश्न

1 भवान् किं उद्यमं करोति ?

2 कथं मेलनं विरलं जातम् ?

3 किम् भारत–पाक–युद्धः भविष्यति ?

4 भवतः किम् कष्टम् अस्ति ?

5 भवतां दर्शनमेव दुर्लभं जातं किल ?

1.9 आप ये भी पढ़ सकते हैं

1 संस्कृत–व्यवहार–साहस्री, प्रकाशक – संस्कृत भारती, माता मन्दिर गली, झण्डेवालान नई दिल्ली।
2 रचनानुवादकौमुदी – डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3 अनुवाद – चन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल 'हंस' मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4 अभ्यासपुस्तकम् – विश्वास, संस्कृत भारती, बेंगलूरु।
5 रूपचन्द्रिका – डॉ० सुखराम, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
6 हिन्दी–संस्कृत–कोशः – डॉ० रामसरूप 'रसिकेश', चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।